अनुक्रमांक..... मुद्रित पृष्ठों की संख्या: 8

नाम.....

101 **301(TA)**

2026

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट। | पूर्णांक: 70

नोट: प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश: i) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड-क

1. (क) उपन्यास विद्या पर आधारित रचना है- 1

(i) स्कन्दगुप्त (ii) गोदान

(iii) अशोक के फूल (iv) चिन्तामणि

(ख) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं- 1

(i) इंशा अल्ला खाँ (ii) सदासुखलाल

(iii) प्रेमचन्द (iv) लल्लूलाल

(ग) हिन्दी एकांकी के जनक माने जाते हैं- 1

(i) डॉ० राम कुमार वर्मा (ii) उपेन्द्रनाथ अश्क

(iii) मोहन राकेश (iv) प्रेमचन्द

(घ) 'सरस्वती' पत्रिका के प्रथम सम्पादक थे- 1

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) श्याम सुन्दर दास

(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) प्रताप नारायण मिश्र

(ङ) कन्या दान के रचयिता हैं- 1

(i) सरदार पूर्ण सिंह (ii) सदल मिश्र

(iii) रामवृक्ष बेनीपुरी (iv) सम्पूर्णानन्द

2. (क) ज्ञानाश्रयी शाखा से सम्बन्धित कवि नहीं है- 1

(i) जायसी (ii) रैदास

(iii) नानक (iv) कबीर

(ख) 'उर्वशी' के रचनाकार हैं- 1

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) तुलसीदास (iv) कबीरदास

Gyansindhu Classes

(ग) चन्दबरदाई की रचना है- 1

(i) पृथ्वीराज रासो (ii) खुमाण रासो

(iii) बीसल देव रासो (iv) विनय पत्रिका

(घ) 'प्रिय प्रवास' में कितने सर्ग हैं- 1

(i) 18 (ii) 20

(iii) 17 (iv) 15

(ड़) "चाँद का मुँह टेढ़ा है।" रचना की विधा है- 1

(i) काव्य (ii) उपन्यास

(ii) निबन्ध (iv) कहानी

3. निम्न गद्यांशों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा की व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता है, वरन नये पारिभाषिक शब्दों को एवं नूतन शैली प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। 2

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(ग) किन-किन के प्रयोग से भाषा आधुनिक वनती है? 2

(घ) भाषा का विकास कब नहीं होता है? 2

(ङ) 'नये शब्द गढ़ने मात्र' का क्या तात्पर्य है? 2

अथवा

कहते हैं, दुनिया बडी भुलक्कड़ है। केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 2

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(ग) अशोक को विस्मृत करने का आधार किसे माना है? 2

(घ) स्वार्थ का अखाड़ा किसे कहा गया है? 2

(ङ) लेखक ने दुनिया का किस प्रकार का व्यवहार बताया है? 2

Gyansindhu Classes

4. निम्न पद्यांश पर आधारित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो।

कौन हो तुम बसन्त के दूत, विरस पतझड़ में अति सुकुमार,
घर तिमिर में चपला की रेख तपन में शीतल मन्द बयार।
लगा कहने आगन्तुक व्यक्ति मिटाता उत्कंठा सविशेष
दे रहा हो कोकिल सानन्द सुमन को ज्यों मधुमय सन्देश।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 2

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(ग) आगन्तुक व्यक्ति से किसकी ओर संकेत किया गया है? 2

(घ) पद्यांश में किसकी उत्कंठा मिटाने की जात कही गयी है? 2

(ङ) पद्यांश में किन पात्रों के बीच संवाद हो रहा है? 2

अथवा

जाते-जाते अगर पथ में क्लान्त कोई दिखावे।
तो जाके सन्निकट उसकी क्लान्तियों को मिटाना।
धीरे-धीरे परस करके गात उत्ताप खोना।
सदगंधों से श्रमित जन को हर्षितों सा बनाना।
लज्जाशील पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होंठों की औ कमल मुख की म्लानताएँ मिटाना।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए। 2

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या लिखिए। 2

(ग) कमल मुख में कौन-सा अलंकार है? 2

(घ) राधा पवन को क्लात व्यक्ति के सम्बन्ध में क्या समझाती है? 2

(ङ) राधा ने पवन को पथिक महिला के साथ कैसा व्यवहार करने के लिए निर्देश दिया? 2

5. (क) निम्न लेखकों में से किसी एक का साहित्यिक परिचय लिखिए। 5

(क) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
(ख) कन्हैयाला मिश्र प्रभाकर
(ग) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्न कवियों में से किसी एक की काव्यगत विशेषताएं लिखिए। 5

(क) मैथिलीशरण गुप्त
(ख) सुमित्रानन्दन पंत
(ग) 'हरिऔध'

Gyansindhu Classes

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु लिखिए। 5

अथवा

'बहादुर' अथवा पंचलाइट' कहानी के मुख्य पात्र भैरो पाण्डे का चरित्र चित्रण कीजिए।

7. (क) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का अपने शब्दों में वर्णनकीजिए |

अथवा 'श्रवण कुंमार' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

(ख) "मुक्तियज्ञ की राष्ट्रीयता एवं देशभक्ति संकुचित नहीं है । " – इस उक्ति के परिप्रेक्ष्य में 'मुक्तियज्ञ' की कथावस्तु की विवेचना कीजिए

अथवा 'मुक्तियज्ञ' की भाषा-शैली पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए ।

(ग) "हर्षवर्द्धन के चरित्र में लोकमंगल की कामना निहित है।"— इस कथन के आलोक में 'त्यागपथी' के नायक हर्षवर्द्धन का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) "रश्मिरथी खण्डकाव्य में कवि का मुख्य मन्तव्य कर्ण के चरित्र के शील पक्ष, मैत्री भाव तथा शौर्य का चित्रण करना है।" – सिद्ध कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु का संक्षेप में विवेचन कीजिए |

(ङ) "सत्य की जीत खण्डकाव्य में द्रौपदी के चरित्र में वर्तमान युग के नारी-जागरण का प्रभाव स्पष्ट रूप से 'परिलक्षित' होता है। " -इस कथन को सिद्ध कीजिए।

अथवा खण्डकाव्य की विशेषताओं के आधार पर 'सत्य की जीत खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए।

(च) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए

अथवा "आलोक-वृत्त एक सफल खण्डकाव्य है ।" – इस कथन के औचित्य पर अपने विचार प्रकट कीजिए |

Gyansindhu Classes

खण्ड-ख

8. निम्न संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद लिखिए। 7

(क) सा शकुनिसङ्के अवलोकयन्ती मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्टवा 'अयं में स्वामिको भवतु' इत्यभाषत। मयूरः 'अद्यापि तावन्ये वलं न पश्यसि' इति अति गर्वेण लज्जाश्च व्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्कस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नार्तितुमारब्धवान् ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सर्वाकार परिपूर्ण पुरूपं राजानमकुर्वन । चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एक सिंह राजानमकुर्वन्। ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन पाषाणे सन्निपत्य मनुष्येषु राजा प्रज्ञावते तथा चतुष्पदेषु च। अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम च वर्तते। एको स्थाने स्थापितन्य इति उक्तवन्तः।

(ख) निम्न में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए। 7

सुखार्थिनः कुत्तो विद्या कुतो विद्यार्थिन सुखम् ।
सुखार्थिन वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेद् सुखम् ।।

अथवा

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

Gyansindhu Classes

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। 4

(क) किम् धनम् सर्व प्रधानम्?
(ख) का भाषा देवभाषा इतिज्ञाता?
(ग) कस्य कामाय पतिः प्रियो भवति?

10. (क) करूण रस अथवा हास्य रस की परिमापा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ख) रूपक अथवा यमक अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ग) दोहा अथवा सोरठा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए। 9

(क) सर्वधर्म समभाव
(ख) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन
(ग) गोस्वामी तुलसीदास
(घ) भारत में आतंकवाद की समस्या

12. (क) (i) 'पावकः' का सन्धि विच्छेद होगा- 1

(i) पो + अकः (ii) पाव + अकः

(iii) पौ + अकः (iv) पा + वकः

(ii) 'प्रेजते' का सन्धि-विच्छेद हो गा- 1

(i) प्र + इजते (ii) प्रे + अजते

(iii) प्र + एजते (iv) प्र + ऐजते

(iii) 'पुस्तकालयः' में सन्धि है- 1

(i) व्यंजन सन्धि (ii) स्वर सन्धि

(iii) यण् सन्धि (iv) विसर्ग सन्धि

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। 2

(i) दशाननः

(ii) कृष्णसर्पः

(iii) प्रत्येकम्

13. बैंक में खाता खोलने के लिएबैंक प्रवन्धक को आवेदन /प्रार्थना पत्र लिखिए। 8

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने लिए आवेदन पत्र/प्रार्थना पत्र लिखिए।

Gyansindhu Classes

14. (क) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए। 1

(i) कृतः

(ii) गतः

(iii) दत्वा

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए- 1

(i) प्रभुता

(ii) रूपवती

(iii) गुणवान

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्वन्धित नियम का उल्लेख कीजिए- 2

(i) पुत्रेण सह।

(ii) ग्रामम् अभितः वृक्षाः सन्ति ।

(iii) कृष्णाय नमः।